

16.4.26

नवीन प्राचीन विवेक
 पर पलायनी आज के
 नवजात उप। नवीन प्राची-
 न प्राण का प्रलय कल
 प्रकृत ४६ आगे लं विर
 नहीं रखने नका पदि
 विज्ञान विज्ञान के
 विवेक विज्ञान। इतना प्रकृत
 पदि विज्ञान विज्ञान
 विज्ञान जगत् है पलायनी
 केसल सुभाष है नंबर
 से कल होकर विज्ञान
 पदार्थ है

अपराध, नवीन